



माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल 2019-20 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षा का विषय	विषय कोड	परीक्षा का माध्यम
विज्ञान	१००	हिन्दी
स्टीकर तीर के निशान ↓ से मिलाकर लगायें		
<p>उत्तर पुस्तिका का क्रमांक 219- 5886331</p> <p>परीक्षार्थी का रोल नम्बर</p> <p>1 9 2 4 4 9 4 5 3</p> <p>एक नौ दो चार चार नौ चार पाँच तीन</p>		

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

उदाहरणार्थ

1	1	2	4	3	9	5	6	8
एक	एक	दो	चार	तीन	नौ	पाच	छः	आठ

केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक द्वारा भरा जावे ↓

क :- पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या अंकों में शब्दों में

ख :- परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक

ग :- परीक्षा का दिनांक

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

डाई स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा C.No.241086

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर : केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर

D. D. Sharma *[Signature]*

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकन के समय पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या उपरोक्तानुसार सही पाई हो। क्राफ्ट स्टिकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया तथा अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टि एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाए।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा : परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा

K. Rajangdale
Govt. H.F.
V.

[Signature]
V. NO.: 781170

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (3 में)	करें
1			
2			
3			
4			
5			
6			
7			
8			
9			
10			
11			
12			
13			
14			
15			
16			
17			
18			
19			
20			
21			
22			
23			
24			
25			
26			
27			
28			

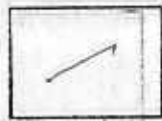
कुल प्राप्तांक शब्दों में

Laserjet/Copier Label A4-ST-16 99.1x33.9mmx16

de/mat

101
SE
Principal

2



योग पूर्व पृष्ठ

=

२ के अंक

कुल अंक



प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. (1) का उत्तर

(i) 10

1888331

(ii) उत्सर्चन

(iii) दृष्टि परल

(iv) हम्पियर

v) घास, बकरी तथा मानव

B
S
E

प्रश्न क्र. (2) का उत्तर

(i) उष्माक्षेपी

मानव का शरीर

(ii) 18

(iii) आनुवंशिकता = आनुवंशिकी

(iv) 25 से. मी.

(v) 10



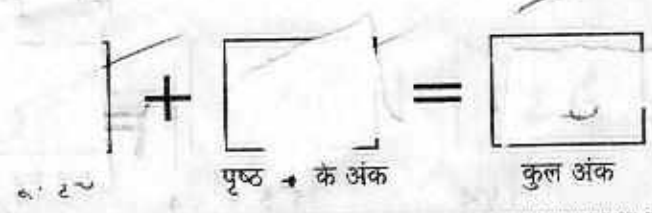
प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. (3) का उत्तर

- (i) सोडियम - अतिक्रियाशील धातु
- (ii) नेफ्रॉन - रक्त की संरचनात्मक इकाई
- (iii) अंतःस्रावी ग्रंथि - हार्मोन
- (iv) समजात अंग - हमारे लघु एवं कुत्ते के अग्रपक्ष
- (v) विभवान्तर का मापन - वोल्टमीटर

प्रश्न क्र. (4) का उत्तर

- (i) शुद्ध जल का pH मान 7 है।
- (ii) हरे पौधों की पत्तियों पाया जाना वाला वर्णक क्लोरोफिल (हरित लवक) है।
- (iii) मनुष्य में आयोडीन की कमी से घेंघा रोग होता है।
- (iv) दो जीवाश्म ईंधन - कोयला एवं पेट्रोलियम।
- (v) दर्पण सूत्र $\frac{1}{f} = \frac{1}{v} + \frac{1}{u}$



प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. (5) का उत्तर (अथवा)

लोहा एक अभिक्रियाशील धातु है, जो वातावरण की लमी (आद्रता), ऑक्सीजन से क्रिया करके आयरन ऑक्साईड (Fe_2O_3) की परत बनाता है। जिसे सामान्य भाषा में जंग लगाना कहते हैं। जंग के कारण लोहे की वस्तुएं संक्षारित होने लगती हैं अतः संक्षारण से बचाने के लिए हम लोहे की वस्तुओं को पेंट करते हैं।

प्रश्न क्र. (6) का उत्तर (अथवा)

B
S
F

ह्यूलेण्ड के अक्षक सिद्धांत की सीमाएँ निम्न हैं-
 (1) यह भारी तत्वों पर लागू नहीं होता है।
 (2) यह केवल केवल तब तक लागू होता है।

प्रश्न क्र. (7) का उत्तर (अथवा)

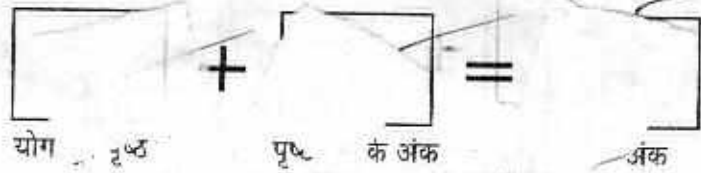
परागण :-
 परागकों का किसी माध्यम से परागकोश से वर्तिकाग्र तक पहुँचने की क्रिया परागण कहलाती है।

द्विखंडन

परागण -

परागकों का किसी माध्यम (वायु, जल, कीट) की सहायता से परागकोश से वर्तिकाग्र तक पहुँचने की क्रिया परागण कहलाती है।

5



प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. (४) का उत्तर (अथवा)

समजात अंग:-

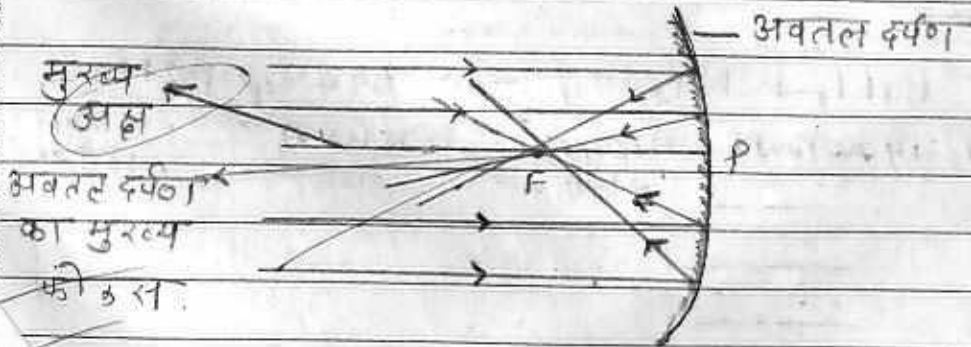
वे अंग जिनकी उत्पत्ति एवं संरचना समान होती है परंतु उनके कार्य भिन्न-भिन्न होते हैं, समजात अंग कहलाते हैं। जैसे - हमारे हाथ एवं कूले के अग्रपादा।

प्रश्न क्र. (९) का उत्तर (अथवा)

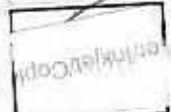
अवतल दर्पण का मुख्य फोकस:-

अवतल दर्पण के मुख्य के अक्ष के समांतर आती हुई प्रकाश किरणों परावर्तन के पश्चात् जिस बिन्दु से होकर जाती हैं उस बिन्दु को अवतल दर्पण का मुख्य फोकस कहते हैं।

B
S
E



6



योग पूर्व पृष्ठ

+



पृष्ठ 6 के अंक

=



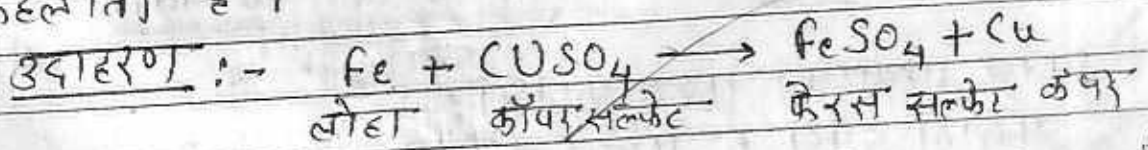
कुल अंक



प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. (10) का उत्तर (अथवा)

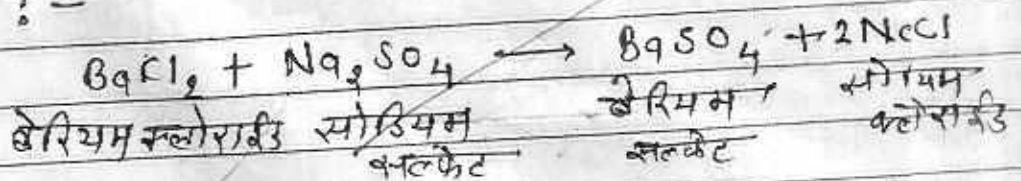
विस्थापन अभिक्रिया - वे रासायनिक अभिक्रियाएँ जिनमें अधिक क्रियाशील तत्व, अपने से कम क्रियाशील तत्व को उसके यौगिक विलयन से विस्थापित कर उसका स्थान स्वयं ग्रहण कर ले लेता है, विस्थापन रासायनिक अभिक्रिया कहलाती है।



B
S
E

द्विविस्थापन अभिक्रिया - वे रासायनिक अभिक्रियाएँ जिनमें यौगिकों के मध्य परस्पर आयनों का आदान-प्रदान होता है, द्विविस्थापन रासायनिक अभिक्रियाएँ कहलाती हैं।

उदाहरण :-



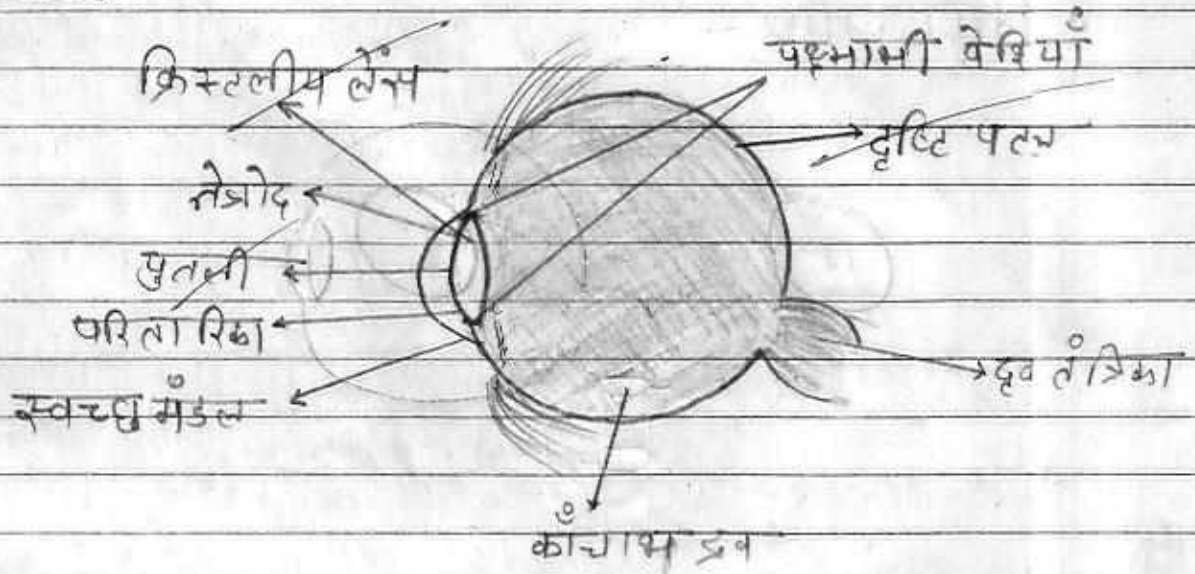
7



प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. (11) का उत्तर

मानव नेत्र -

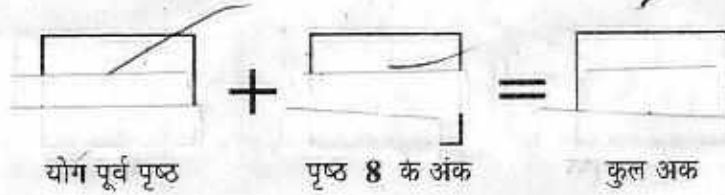


प्रश्न क्र. (12) का उत्तर

चुंबकीय क्षेत्र रेखाओं के गुण निम्नलिखित हैं -

- (1) चुंबकीय क्षेत्र रेखाएँ चिकने बन्द वक्र हैं।
- (2) चुंबकीय क्षेत्र रेखाएँ परस्पर कभी प्रतिच्छेद नहीं करतीं।
- (3) चुंबकीय क्षेत्र चुंबक के बाहर उत्तरी ध्रुव से दक्षिणी ध्रुव तथा चुंबक के अंदर दक्षिणी ध्रुव से उत्तरी ध्रुव की ओर होती हैं। अंतर

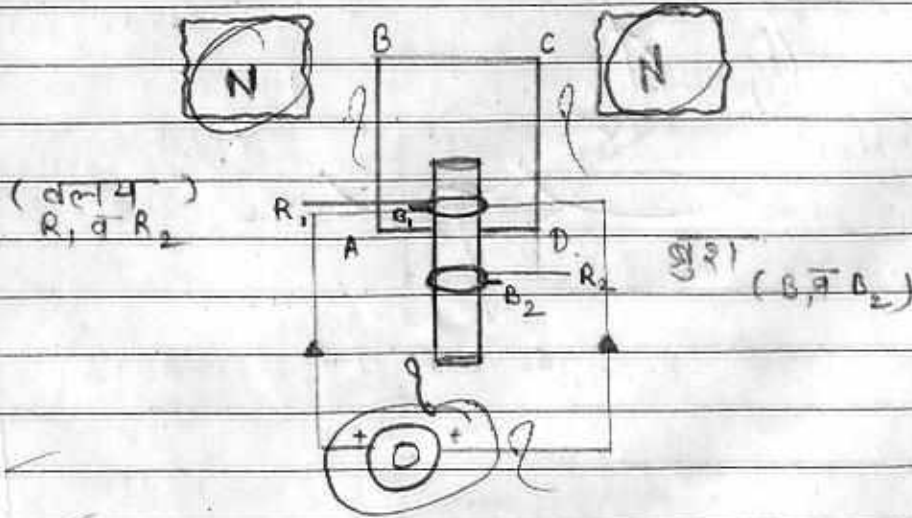
8



प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. (13) का उत्तर (अथवा)

विद्युत जनित्र -



B
S
E

33.9mm

प्रश्न क्र. (14) का उत्तर

सोलर कुकर के उपयोग के लाभ निम्न हैं:-

- (1) इससे पर्यावरण प्रदूषित नहीं होता है।
- (2) इससे ईंधन की बचत होती है।
- (3) इससे खाना शुद्ध एवं पौष्टिक बनता है।
- (4) इसमें एक साथ चार-पाँच खाद्य पदार्थ पकाए जा सकते हैं।

9



प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. (15) का उत्तर (अथवा)

धातु के सोड़े का उपयोग -

- (1) इसका उपयोग कैंच, साबुन उद्योगों में किया जाता है।
- (2) इसका उपयोग बोरिक्स नामक सोडियम भौतिक के उत्पादन में किया जाता है।
बेरिंग

खाने के सोड़े के उपयोग -

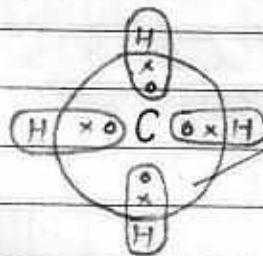
- (1) इसका उपयोग बेकिंग पावडर बनाने में किया जाता है।
- (2) इसका उपयोग सोडा-अम्ल अग्निशामक में किया जाता है।

B
S
E

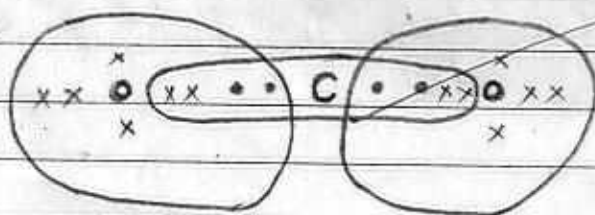
प्रश्न क्र. (16) का उत्तर

(अ) (i) CH_4

CH_4 (मीथेन) की इलेक्ट्रॉन बिलु संरचना -



(ii) CO_2 (कार्बनडाई ऑक्साईड) की इलेक्ट्रॉन बिलु संरचना



Label A45

SEC0104

10

योग पूर्व पृष्ठ

+

पृष्ठ 10 के अंक

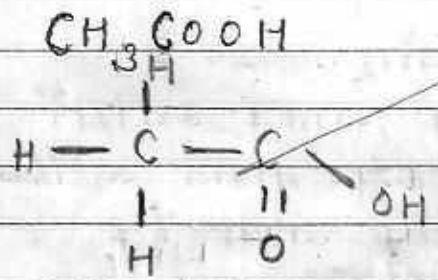
=

कुल अंक

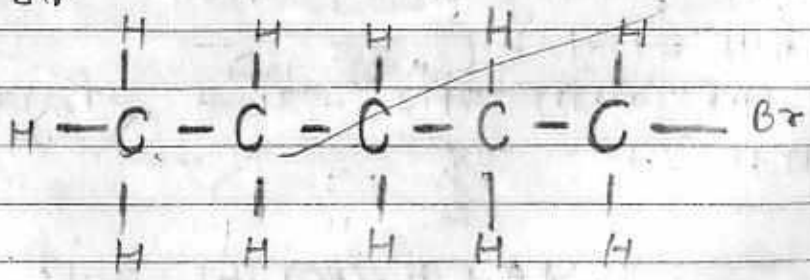
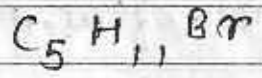


प्रश्न क्र.

(ब) (i) एथनोइक अम्ल की संरचना



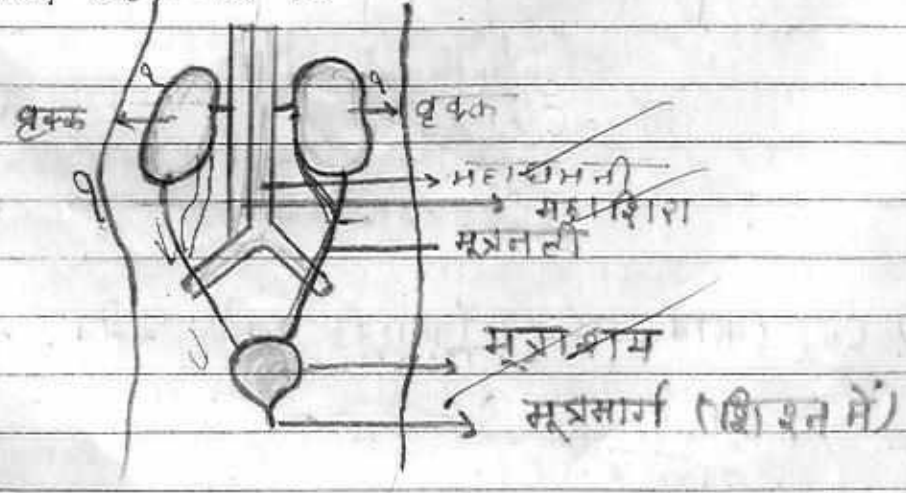
(ii) ब्रामोपेन्टेन की संरचना



B
S
E

प्रश्न क्र. (17) का उत्तर

मानव उत्सर्जन तंत्र

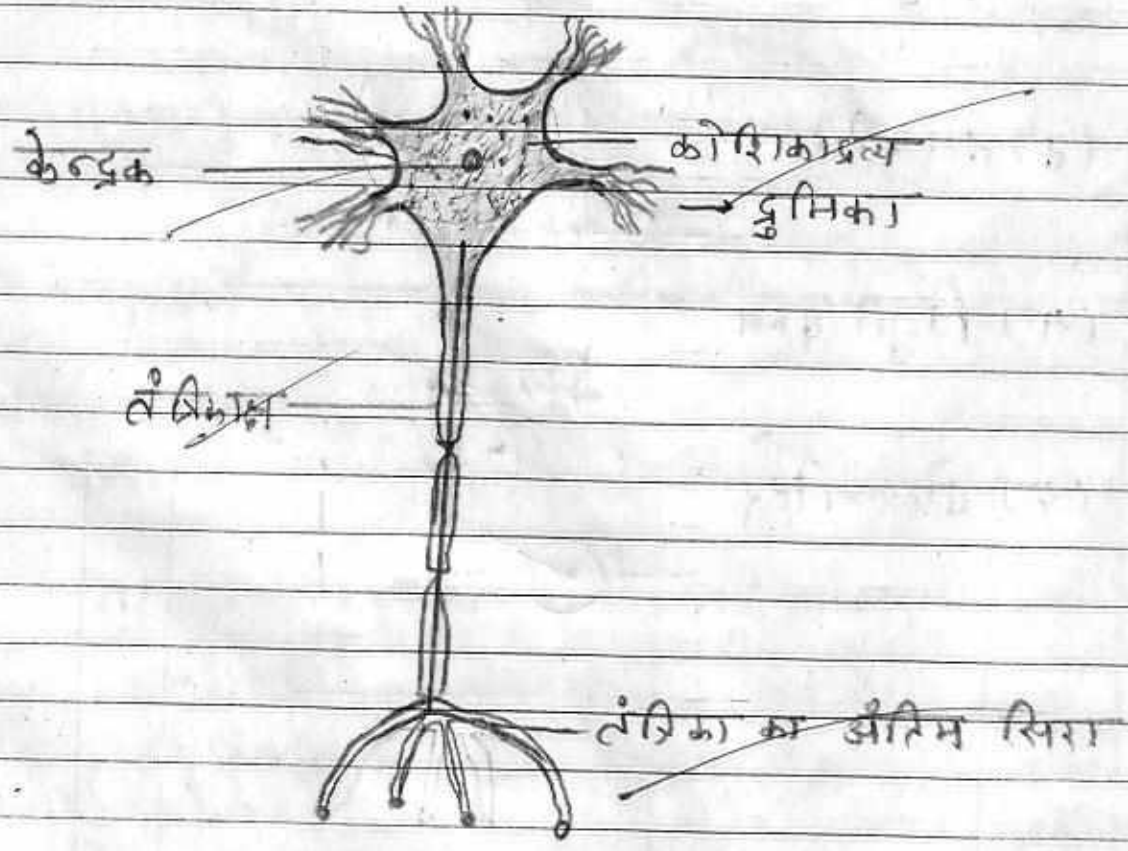




प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. (18) का उत्तर - (अथवा)

तंत्रिका कोशिका



B
S
E

de.mol



योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 12 के अंक



प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. (19) की उत्तर

(अ) विद्युत सेल

(ब) तार संधि

(स) विद्युत बल्ब

(द) वोल्टमीटर

B
S
T



प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. (20) का उत्तर

(अ) (i) अयस्क - जब किसी खनिज में कोई धातु अधिक मात्रा में पाई जाती है जिसका लोकेशन आसान एवं लाभदायक होता है अयस्क कहलाता है।

(ii) गंगा - अयस्क के साथ पाई जाने वाली अशुद्धियों (इत. पत्थर) को गंगा कहते हैं।

(ब)

क्र.	रासायनिक गुणधर्म	धातु	अधातु
(1)	ऑक्साइड की प्रकृति	इनके ऑक्साइड धारीय प्रकृति के होते हैं।	इनके ऑक्साइड अम्लीय प्रकृति के होते हैं।
(2)	अम्लों के साथ क्रिया	धातुएं अम्लों से क्रिया करके हाइड्रोजन गैस मुक्त करती हैं।	अधातुएं सामान्य तपक्रम से अम्लों से क्रिया नहीं करती।
(3)	विद्युत आवेक	धातुएं विद्युत धनात्मक तत्व हैं।	अधातुएं विद्युत ऋणात्मक तत्व हैं।

B
S
E

14



पृष्ठ 200

पृष्ठ 14 का अंक

कुल अंक

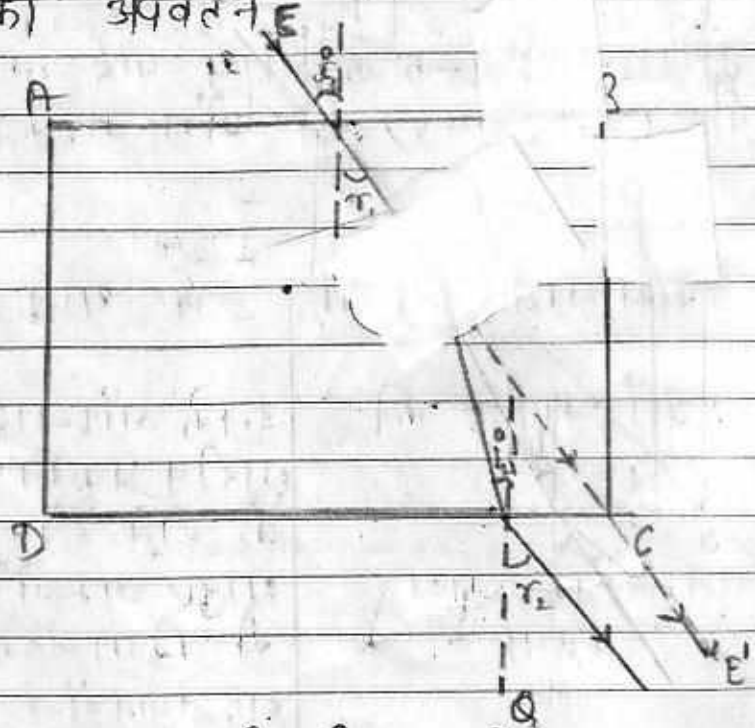
प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. (22) का उत्तर ^(अथवा) _(अथवा)

(अ) परावर्तन के नियम -

(1) आपतन -

(अ) आयताकार काँच के गुत्ते से प्रकाश का अपवर्तन



(ब) अवलतल दर्पण के उपयोग -

- (1) इसका उपयोग ^{तार्च} वाहनों के अग्रदीपों, सर्चलाइट में किया जाता है ताकि एक समान्तर प्रकाश पुंज प्राप्त किया जा सके।
- (2) इसका उपयोग शीव (दाढ़ी) बनाने के लिए किया जाता है।
- (3) इसका उपयोग दूर चिकित्सकों के द्वारा भी किया जाता है।

B
S
E

15

$$\boxed{77} + \boxed{15} = \boxed{92}$$

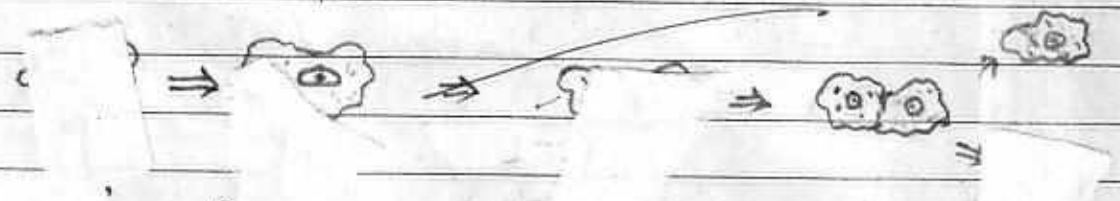
योग पूर्व पृष्ठ पृष्ठ 15 क अंक ... अंक



प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. (21) का उत्तर (अथवा)

(अ) अमीबा में द्विखंडन-



(ब) कायिक प्रवर्धन-

जब मनुष्य बीज उत्पन्न करने समता खो चुके पौधों को उनके ही किसी भाग (पत्तिय, फल) के द्वारा नया पौधा उगाते हैं तब अलैंगिक जनन की इस प्रक्रिया को कायिक प्रवर्धन कहते हैं कायिक प्रवर्धन द्वारा उत्पन्न पौधे आनुवांशिक दृष्टि से जनक पौधे के समान होते हैं।

(समाप्त)

B
S
E